Video #695

Resources by Dhruv Rathee

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
1	Belgium के newspaper Dernière Heure ने एक study की- जिसमें उन्होंने 12% battery levels और 84% battery level पर uber के prices compare किए और पाया कि 12% battery वाले phone पर Uber ज़्यादा किराया charge करता है।	Vice 11th April 2023	https://www.vice.com/en/article/uber-surge-pricing-phone-battery/
2	2016 में NPR को दिए गए एक interview में Uber के Head of Economic Research Keith Chen ने कहा था कि Uber has found कि अगर phone की battery ख़त्म होने वाली हो तो लोग ज़्यादा पैसे देने को तैयार होते हैं और Uber app को पता होता है कि आपके phone में battery कितनी है।	NPR 17th May 2016	https://www.npr.org/2016/05/17/478266839/this-is-your-brain-on-uber
3	जनवरी 2025 में engineerhub के founder Rishabh Singh ने एक experiment किया और इन्होंने पाया कि low battery levels पर uber, cab book करने के लगातार ज़्यादा पैसे माँग रहा था। इसके अलावा Uber पर आरोप लगते हैं कि वो iPhone users से android users के मुक़ाबले ज़्यादा पैसे माँगता है।	The Economic Times 20th January 2025	https://economictimes.indiatimes.com/news/new-updates/low-phone-battery-higher-uber-fares-delhi-entrepreneurs-shocking-discovery-sparks-debate-over-fare-manipulation/articleshow/117387009.cms?utm_source=contentofinterest&utm_medium=text&utm_campaign=cppst

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
4	इस approach को Planned Obsolescence कहते हैं। Companies जानबूझकर ऐसे products बनाती हैं, जो कुछ समय तक ही चलते हैं और फिर खराब हो जाते हैं।	Uppsala University 1st June 2022	https://www.diva-portal.org/smash/get/diva2:1678153/FULLTEXT01.pdf
5	जैसे काफी समय से customers ये आरोप लगा रहे हैं कि Apple अपने iPhones को slow कर देता है, ताकि वे नया iPhone खरीदें।	BBC 21st December 2017	https://www.bbc.com/news/technology-42438745
6	2018 में इन आरोपों पर Italy की competition authority ने एक investigation की, जिसमें सामने आया कि कुछ software updates के बाद smartphones की performance ख़राब हो जाती है। इन्होंने इसके बाद Apple पर 1 करोड़ euros और Samsung पर 50 लाख euros का fine भी लगाया। investigation में पाया गया कि software updates के बाद phones slow हो गए और ऐसा करके users को नए phones खरीदने के लिए मजबूर किया गया।	The Guardian 24th October 2018	https://www.theguardian.com/technology/2018/oct/24/apple-samsung-fined-for-slowing-down-phones
7	2020 में फ्रांस ने भी Apple पर consumers को बताए बिना पुराने iPhones को slow करने के लिए 2.5 करोड़ euros का fine लगाया। फ्रांस के competition and fraud watchdog DGCCRF ने कहा कि iPhones users को ये नहीं बताया गया कि updates install करने पर उनका फोन slow हो जाएगा।	BBC 7th February 2020	https://www.bbc.com/news/technology-51413724
8	2020 में ही अमेरिका के 30 से ज्यादा states में लोगों ने Apple के खिलाफ fraud के cases करते हुए आरोप लगाया कि उसने उन्हें बताए बिना पुराने iPhones को slow कर दिया। इन cases से बचने के लिए Apple ने 11.3 करोड़ डॉलर का settlement किया।	NPR 18th November 2020	https://www.npr.org/2020/11/18/936268845/apple-agrees-to-pay-113-million-to-settle-batterygate-case-over-iphone-slowdowns

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
9	Apple ने ये स्वीकार किया कि वो पुराना होने पर कुछ iPhone models को slow करती है, लेकिन सिर्फ इसलिए क्योंकि पुराना होने पर Phone की battery performance खराब हो जाती है, और उनके unexpectedly बंद होने के chances बढ़ जाते हैं। लेकिन Apple ने ये बात customers को नहीं बताई, तो उनको लगा कि Phones slow हो गए हैं और उन्होंने battery बदलने के बजाय नया phone ख़रीद लिया।	BBC 21st December 2017	https://www.bbc.com/news/technology-42438745
10	Planned Obsolescence कोई नया idea नहीं है। लगभग 100 साल पहले lightbulb बनाने वाली कंपनियों ने भी अपनी कमाई बढ़ाने के लिए इसका इस्तेमाल किया था। पहले वो ऐसे bulb बना रही थीं, जो बहुत लंबे समय तक चलते थे, लेकिन इससे उनकी कमाई कम होती थी। इसलिए सभी कंपनियों ने कम चलने वाले bulb बनाने शुरु कर दिए, जिससे उनकी कमाई और profit बढ़ने लगा।	University of Auckland 15th July 2024	https://www.auckland.ac.nz/en/news/2024/07/15/short-history-of-planned-obsolescence.html
11	जब कोई कंपनी किसी product की कीमत same रखती है, लेकिन उसका size कम कर देती है, इसे Shrinkflation कहा जाता है। कोविड pandemic के बाद में तेजी आई है क्योंकि manufacturing cost बढ़ गई है, लेकिन कंपनियां कीमतें बढ़ाकर अपने ग्राहक खोने की जगह product को छोटा कर दे रही हैं।	CBS 16th October 2024	https://www.cbsnews.com/news/inflation-shrinkflation-skimpflation-toilet-paper-candy-cereal-lendingtree/
12	2021 में Parle-G	Livemint 27th June 2022	https://www.livemint.com/economy/how-shrinkflation-is-playing-out-in-india-11656335468700.html

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
13	10 रुपये के पैकेट में 140 ग्राम biscuits आते थे	The Print 21st May 2022	https://theprint.in/feature/youre-not-imagining-it-maggi-to-vim-bar-fmcgs-are-getting-smaller-shrinkflation-is-here/965170/
14	तब 250 ग्राम का होता था।	Livemint 27th September 2023	https://www.livemint.com/opinion/online-views/a-rs-10-pack-of-maggi-isn-t-what-it-used-to-be-neither-is-the-sachet-economy-11695811561062.html
15	Thums Up और Coca-cola की 20 रुपए में आने वाली छोटी bottle का size 250 ml से 200 ml हो गया।	The Print 21st May 2022	https://theprint.in/feature/youre-not-imagining-it-maggi-to-vim-bar-fmcgs-are-getting-smaller-shrinkflation-is-here/965170/
16	2022 में 3 महीने के अंदर 10 रुपये के Vim साबुन का size 155 ग्राम से घटाकर 135 ग्राम कर दिया गया। Haldiram की 10 रुपये की Aloo Bhujia की पैकेट 55 ग्राम से घटकर 42 ग्राम की हो गई।	The Economic Times 13th May 2022	https://economictimes.indiatimes.com/news/economy/indicators/shrinkflation-hits-indias-snacks-as-firms-struggle-with-costs/articleshow/91534141.cms
17	पहले 1 रुपए में हाजमोला की 6 tablets आती थी, लेकिन अब सिर्फ़ 4 आती हैं।	ET Brand Equity 11th November 2024	https://brandequity.economictimes.indiatimes.com/news/advertising/shrinkflation-less-isnt-always-more/115161333

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
18	2022 में Pizza company Domino's ने 7.99 डॉलर के अपने pizza में chicken wings की संख्या 10 से घटाकर 8 कर दी। Burger King ने 4.49 डॉलर के अपने meal में chicken nuggets की संख्या 10 से घटाकर 8 कर दी।	Business Insider 25th August 2022	https://www.businessinsider.com/shrinkflation-grocery-stores-pringles-cereal-candy-bars-chocolate-toilet-paper-cadbury-2021-7
19	Cottonelle ने भी अपने toilet paper में 340 से घटाकर 312 sheets कर दीं।	Business Insider 25th August 2022	https://www.businessinsider.com/shrinkflation-grocery-stores-pringles-cereal-candy-bars-chocolate-toilet-paper-cadbury-2021-7
20	2022 में Doritos ने chips के packets का वजन कम कर दिया और इनमें 5 chips कम कर दीं।	Newsweek 18th May 2022	https://www.newsweek.com/not-your-imagination-doritos-bag-has-5-fewer-chips-due-shrinkflation-1689450
21	2012 में Nestle ने अपने एक किलो के toffee, chocolate और sweet box का वजन घटाकर 820 ग्राम कर दिया। Cadbury के creme eggs के एक बॉक्स में 6 eggs की जगह 5 कर दिए गए।	BBC 9th November 2016	https://www.bbc.com/news/business-37909035
22	2014 में coca-cola ने अपनी बड़ी bottle का size 2 लीटर से घटाकर 1.75 लीटर कर दिया।	Corporate Finance Institute	https://corporatefinanceinstitute.com/resources/economics/shrinkflation/
23	2013 में Cadbury ने अपने dairy milk bar का size 10 percent घटा दिया।	Business Insider 25th August 2022	https://www.businessinsider.com/shrinkflation-grocery-stores-pringles-cereal-candy-bars-chocolate-toilet-paper-cadbury-2021-7

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
24	इसी तरह 2016 में Toblerone ने अपनी chocolates का वजन 400 ग्राम से घटाकर 360 ग्राम कर दिया।	BBC 9th November 2016	https://www.bbc.com/news/business-37909035
25	Chocolate के हर piece के बीच space बढ़ाकर कंपनी ने ऐसा किया।	Business Insider 25th August 2022	https://www.businessinsider.com/shrinkflation-grocery-stores-pringles-cereal-candy-bars-chocolate-toilet-paper-cadbury-2021-7
26	Deep pricing भी एक ऐसी strategy है, जिसके जरिए कंपनियां customers को बेवकूफ बनाती हैं। इसमें customers को पहले product की कम कीमत दिखाई जाती है, लेकिन जब वे purchase करते हैं, तब तरह-तरह के taxes और charges जोड़कर कीमत को बढ़ा दिया जाता है। यानि जो Ad में दिखाया जाता है, वो product का final price नहीं होता। कंपनियां ऐसा इसलिए करती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि एक बार कम कीमत का लालच देकर उन्होंने customer को फंसा लिया तो additional cost का पता चलने तक वो product खरीदने का मन बना चुका होगा और वापस नहीं जाएगा।	Hindustan Times 5th May 2024	https://www.hindustantimes.com/business/centre-issues-warning-against-drip-pricing-what-is-it-101714907056107.html?utm_source=pocket_shared
27	platform जैसे charges जोड़कर ये 5,130 रुपये का पड़ा। केंद्र सरकार इसे लेकर warning दे चुकी है।	Hindustan Times 5th May 2024	https://www.hindustantimes.com/business/centre-issues-warning-against-drip-pricing-what-is-it-101714907056107.html?utm_source=pocket_shared

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
28	Drip pricing की तरह ही Bait and switch method होता है। इसमें कंपनियां अच्छा और कम price वाला offer देकर customers को फंसाती हैं और फिर उन्हें दूसरा product बेच देती हैं। कंपनी का पहले से ही ad में दिखाया गया product बेचने का कोई इरादा नहीं होता और जब customers पहुंचता है तो उसे out of stock जैसा कोई भी बहाना बनाकर कह दिया जाता है कि product नहीं बचा।	Britannica	https://www.britannica.com/topic/bait-and-switch
29	फिर उसे दूसरा product बेच दिया जाता है, जो original product से सस्ता होता है, लेकिन इस पर कंपनी का ज्यादा profit बनता है। मान लीजिए एक customer 50 इंच की plasma tv खरीदने गया, लेकिन store ने इसे sold out बता दिया। लेकिन तब तक customer के अंदर एक नई टीवी खरीदने की इच्छा जाग चुकी होती है। इसी का फायदा उठाकर sales man उसे 30 इंच की टीवी दिखाता है, जो plasma tv से सस्ती होती है, लेकिन इससे store को ज्यादा profit होता है। customer ये tv खरीद लेता है और store की कमाई होती है।	Encyclopedia	https://www.encyclopedia.com/finance/encyclopedias-almanacs-transcripts-and-maps/bait-and-switch
30	Hotel business में भी bait and switch का बहुत इस्तेमाल होता, जिसमें hotels customers को फंसाने के लिए पहले कम price दिखाते हैं, जिसमें mandatory fees शामिल नहीं होतीं और बाद में checkout करते समय .ये fees और तरह-तरह के charges जोड़कर ज्यादा पैसे ले लेते हैं।	Fox Business 17th December 2024	https://www.foxbusiness.com/politics/ftc-bans-bait-and-switch-hidden-fees-hotel-event-tickets?utm_source=pocket_shared

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
31	Example के तौर पर, India में 200 मेगापिक्सल के कैमरे वाले फोन आने लगे हैं। लोग ये सुनकर फोन खरीद लेते हैं और उन्हें पता नहीं होता कि sensor main होता है और अगर sensor अच्छा है तो 12 मेगापिक्सल का कैमरा भी बहुत अच्छे फोटो ले सकता है।	Lallantop	https://www.thelallantop.com/technology/post/are-smartphone-companies-making-consumers-fool-by-their-number-game-of-megapixels-and-ram-and-processor
32	इसे AI-washing कहते हैं। इसमें कंपनियां AI का इस्तेमाल करके लोगों को यह भरोसा दिलाती हैं कि वे एक बहुत अच्छा product खरीद रहे हैं । ये कंपनियां 'machine learning', 'deep learning' और 'AI-powered machine' जैसे बड़े-बड़े word इस्तेमाल करती हैं, लेकिन ये काम कैसे करते हैं, यह बात नहीं बतातीं।	Economic Times 6th May 2024	https://economictimes.indiatimes.com/opinion/et-commentary/dont-be-fooled-the-threat-of-ai-washing-to-indian-consumers/articleshow/109894185.cms?from=mdr
33	revolutionary AI-powered' refrigerator बेचे जा रहे हैं, जो हमारी जरूरत के हिसाब से food को store कर सकते हैं। लेकिन असल में ये pre-programmed setting पर चलते हैं, जिसे AI का नाम दे दिया जाता है। AI Washing machines आ रही हैं, जो कपड़े के fabric को पहचान लेती हैं, लेकिन खरीदने के बाद पता चलता है कि यह basic temperature settings का ही इस्तेमाल करती हैं।	Economic Times 6th May 2024	https://economictimes.indiatimes.com/opinion/et-commentary/dont-be-fooled-the-threat-of-ai-washing-to-indian-consumers/articleshow/109894185.cms?from=mdr
34	लोगों को नई चीज़ें बेचने में marketing का बड़ा role होता है। कंपनियां बड़े-बड़े दावे करती हैं। जैसे Kent के ad में हेमामालिनी कहती हैं, 'Kent देता है सबसे शुद्ध पानी'।	Newslaundry 10th January 2020	https://www.newslaundry.com/2020/01/10/government-didnt-act-on-ro-water-systems-as-directed-by-ngt-what-will-it-tell-ngt-today

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
35	लेकिन इसका कोई भी proof नहीं है। इसी तरह Kent 100 percent pure पानी देने का दावा करता है	Indian Kanoon	https://indiankanoon.org/doc/68822303/
36	दावा करता है और खुद को नंबर वन बताता है,	Newslaundry 10th January 2020	https://www.newslaundry.com/2020/01/10/government-didnt-act-on-ro-water-systems-as-directed-by-ngt-what-will-it-tell-ngt-today
37	लेकिन उसने कभी ऐसा कोई data नहीं दिया।	Indian Kanoon	https://indiankanoon.org/doc/68822303/
38	Advertising Standards Council of India (ASCI), जो India में ads को self-regulate करती है	Business Insider 15th September 2015	https://www.business-standard.com/article/companies/kent-ro-to-move-court-against-asci-verdict-115091500026_1.html
39	उसने इन ads को misleading बताया और कंपनी से इन्हें वापस लेने को कहा।	Times of India 3rd September 2015	https://timesofindia.indiatimes.com/india/asci-upholds-complaint-against-kent-purifier-ad-questions-scientific-claims-of-ad/articleshow/48793326.cms
40	Kent यह भी कहता है कि वह doctors की पहली choice है, जिससे ऐसा लगता है कि doctors ने उसके RO को endorse किया है। लेकिन Medical Council of India के rules of ethics के अनुसार कोई भी doctor किसी भी commercial product को endorse और recommend नहीं कर सकता, चाहें वो एक दवा हो, या water purifier।	The Telegraph 7th February 2025	https://www.telegraphindia.com/india/purest-water-ad-down-the-flush/cid/1512891

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
41	ASCI ने इस दावे को भी misleading बताया और कंपनी को यह ad वापस लेना पड़ा। कोविड Pandemic के दौरान Kent ने दावा किया कि उसका water purifier कोरोना वायरस को मार सकता है, जबकि इसका कोई proof नहीं था। ASCI के आदेश के बाद उसे ये Ad भी वापस लेना पड़ा।	AFAQS	https://www.afaqs.com/news/advertising/asci-upholds-complaint-kent-withdraws-virus-kill-ro-ad
42	Kent की तरह Hindustan Unilever के Pureit ने भी अपने एक ad में दावा किया कि उसका water purifier एक लीटर पानी में एक करोड़ वायरस मारता है। ये claim भी गलत था और बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। उसने National Institute of Virology (NIV) की एक study में एक लीटर में 67,000 में से 99.99 percent वायरस मारे थे, लेकिन कंपनी ने इसे ऐसे दिखाकर mislead किया कि उसने एक लीटर पानी में एक करोड़ वायरस मारे हैं। NIV ने इसके लिए उसे legal action लेने की चेतावनी दी।	Money Life 6th June 2011	https://www.moneylife.in/article/how-safe-is-your-water-purifier-hul-makes-exaggerated-claims/17029.html
43	इसी तरह Livpure water purifier, Water digest award 2014-15 जीतने का दावा करता है। यह award, Water Digest मैगजीन देती है, जिसके general manager ने ये नहीं बताया कि किस criteria पर यह award दिया गया। Kent अपने कुछ ads में WHO का जिक्र करता है, लेकिन ये नहीं बताता कि ये World Health Organization नहीं, बल्कि Women's Health Organization, जो credible नहीं है।	Newslaundry 10th January 2020	https://www.newslaundry.com/2020/01/10/government-didnt-act-on-ro-water-systems-as-directed-by-ngt-what-will-it-tell-ngt-today
44	Profit कमाने का एक और तरीका ये companies अपनाती हैं, जिसे Razor - Razorblades business model कहा जाता है।	Investopedia 18th December 2022	https://www.investopedia.com/terms/r/razor-razorblademodel.asp

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
45	Printers का business इसका perfect example है। कंपनियां printers को घाटे में बेचती हैं, ताकि बाद में महंगी ink बेची जा सके।कंपनी जिस printer को 65 dollar में बेचती है, उसे बनाने में लगभग 120 dollar लगते हैं।	ABC Webco	https://www.wcpo.com/money/consumer/dont-waste-your-money/printer-ink-is-now-more-expensive-than-the-printer-itself
46	क्योंकि अगर आपने एक बार printer खरीद लिया तो आपके पास उसी कंपनी के ink cartridges इस्तेमाल करने के अलावा और कोई option नहीं बचता। customers को सस्ती generic ink खरीदने से रोकने के लिए ये companies कुछ भी करती हैं। printers में microchip लगा दी जाती है और बीच-बीच में Firmware updates issue की जाती हैं, ताकि कोई third-party ink ना इस्तेमाल कर पाए। 2018 में 9 printer कंपनियों ने ऐसी लगभग 900 updates भेजीं, यानि हर दिन लगभग तीन।	Business Insider 20th August 2019	https://www.businessinsider.in/printer-companies-use-an-outdated-business-model-so-you-pay-more-for-ink-cartridges-than-for-the-printer-itself/articleshow/70746064.cms
47	अगर फिर भी कोई generic ink इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो printer की warranty खत्म हो जाती है।	WCPO 23rd January 2020	https://www.wcpo.com/money/consumer/dont-waste-your-money/printer-ink-is-now-more-expensive-than-the-printer-itself
48	कई बार customers को printer खरीदते समय नहीं बताया जाता कि वो third-party ink इस्तेमाल नहीं कर सकते। उनके पास उसी कंपनी की ink खरीदने के अलावा और कोई option नहीं रहता और कंपनी इस ink को बहुत महंगी बेचकर पैसा कमाती हैं।	CRN 3rd May 2018	https://www.crn.com.au/news/hp-australia-to-repay-customers-for-blocking-third-party-ink-cartridges-490192?utm_source=pocket_shared

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
49	अगर कोई HP का printer खरीदता है तो उसे HP से ही ink cartridges खरीदने पड़ेंगे।	The Guardian 23rd February 2013	https://www.theguardian.com/money/2013/feb/23/printer-ink-cartridges-paying-more-getting-less
50	इस ink को बनाने की लागत बहुत कम होती है। एक लीटर ink बनाने में 20 से 40 euro लगते हैं, जबकि एक gallon यानि 3.78 लीटर ink लगभग 12,000 dollar की बिकती है और ये Vintage Champagne और यहाँ तक कि इंसान के खून से भी महंगी होती है। कंपनियां कहती हैं कि वे ink के research और development पर बहुत पैसा खर्च करती हैं, इसलिए इनकी कीमत ज्यादा होती है। लेकिन ये सिर्फ़ लोगों से पैसा कमाने की technique है।	Business Insider 20th August 2019	https://www.businessinsider.in/printer-companies-use-an-outdated-business-model-so-you-pay-more-for-ink-cartridges-than-for-the-printer-itself/articleshow/70746064.cms
51	इसके अलावा ink cartridge की quantity भी लगातार कम होती जा रही है। कुछ साल पहले तक जितनी ink standard cartridges में आती थी, अब उसे extra larger cartridges में बेचा जा रहा है।	The Guardian 23rd February 2013	https://www.theguardian.com/money/2013/feb/23/printer-ink-cartridges-paying-more-getting-less
52	बिना बताए Firmware डालने और third-party ink का इस्तेमाल रोकने के लिए HP को 2018 में Australia में customers से माफी मांगनी पड़ी और लगभग 2,000 customers को 50 डॉलर के हिसाब से 1 लाख डॉलर का compensation देना पड़ा।	CRN 3rd May 2018	https://www.crn.com.au/news/hp-australia-to-repay-customers-for-blocking-third-party-ink-cartridges-490192?utm_source=pocket_shared
53	2018 में ही कंपनी को अमेरिका में इसी आरोप के लिए 15 लाख डॉलर का settlement करना पड़ा।	Medium 31st January 2020	https://medium.com/compandsave/6-times-printer-companies-tried-to-screw-people-over-dbc0e1eb5149

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
54	2022 में Europe के customers से settlement हुआ और HP को 13.50 लाख डॉलर compensation देना पड़ा।	The Register 13th September 2022	https://www.theregister.com/2022/09/13/hp_euconsumers_settlement_dynamic_security_printers_third_party_supplies/
55	इसी बात के लिए 2024 में भी Epson पर एक और केस हुआ।	The Recycler 9th August 2024	https://www.therecycler.com/posts/epson-faces-legal-battle-over-ink-dispute/
56	कई products की warranties भी काम नहीं करती। बेंगलुरु के मदन राज ने मई, 2014 में IFB की washing machine खरीदी। लेकिन नवंबर, 2015 में मशीन ने अचानक से काम करना बंद कर दिया। मशीन पर 4 साल की वारंटी थी, लेकिन IFB ने उनसे कहा कि वह 50 percent exchange offer पर नई मशीन खरीद लें क्योंकि इस मशीन के कई parts बनने बंद हो गए हैं।	Times of India 19th September 2017	https://timesofindia.indiatimes.com/city/bengaluru/customer-to-get-rs-84k-for-faulty-washing-machine/articleshow/60740668.cms
57	जब मदन ने केस किया तो IFB ने कोर्ट में कहा कि मशीन के किसी भी पार्ट को बदलने की जरूरत नहीं है और इसके top cover पर iron खराब हो गया है, जो वारंटी में कवर नहीं होता। लेकिन मदन ने जो वारंटी कार्ड दिखाया, उसमें washing machine का हर पार्ट कवर था। मदन को top class service और 4 साल की वारंटी का वादा किया गया था, लेकिन कंपनी न तो अच्छी service दे रही थी, बल्कि झूठ बोलकर मदन को नई washing machine खरीदने को मजबूर कर रही थी।	Times of India 19th September 2017	https://timesofindia.indiatimes.com/city/bengaluru/customer-to-get-rs-84k-for-faulty-washing-machine/articleshow/60740668.cms

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
58	आपने देखा होगा कि एक के बाद एक नए phones लॉन्च होते हैं, लेकिन इनमें कुछ बड़ा अंतर नहीं होता। अलग-अलग brands के same price के लगभग एक जैसे फोन होते हैं। एक जैसा hardware, एक जैसे features, बस rebranding करके कीमत थोड़ी ऊपर-नीचे कर दी जाती है।	India Today 3rd September 2024	https://www.indiatoday.in/technology/talking-points/story/tech-companies-in-india-are-releasing-smartphones-that-are-clones-of-each-other-is-it-hurting-the-consumer-2592757-2024-09-03
59	Innovation के नाम पर Phones को कभी मोड़ दिया जाता है, कभी कैमरे ज्यादा कर दिए जाते हैं। ऐसे features जोड़ दिए जाते हैं, जिनकी user को जरूरत ही नहीं होती और phone की कीमत बढ़ा दी जाती है।	India Today 3rd September 2024	https://www.indiatoday.in/technology/talking-points/story/tech-companies-in-india-are-releasing-smartphones-that-are-clones-of-each-other-is-it-hurting-the-consumer-2592757-2024-09-03
60	Apple, Samsung, Google और लगभग हर smartphone कंपनी हर साल अपना फोन लेकर आती हैं। इन phones में ज्यादा अंतर नहीं होता। Galaxy S24 Ultra और S23 Ultra लगभग एक जैसे हैं। iPhone 16 Pro और 15 pro में	CNET 1st December 2024	https://www.cnet.com/tech/mobile/yearly-phone-launches-need-to-stop-for-more-ways-than-one/
61	ज्यादा अंतर नहीं है। इसी तरह iPhone 14 में वही processor था, जो iPhone 13 में था। साथ ही कैमरा और design में भी खास अंतर नहीं था।	Phone Aerena 5th September 2025	https://www.phonearena.com/reviews/iPhone-14-vs-iPhone-13_id5405

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
62	Oppo, Vivo, realme, oneplus और iQOO जैसे brands को तो China की एक ही company BBK Electronics own करती है।। ये brands अपने अलग-अलग फोन launch करते हैं। आपको लगता है कि आपके वापस option है, लेकिन ये सब हैं एक ही कंपनी के।	The Economic Times 13th May 2022	https://economictimes.indiatimes.com/tech/technology/meet-bbk-electronics-the-chinese-giant-behind-oppo-vivo-oneplus-and-more/articleshow/92855685.cms?from=mdr
63	इतने phone launch होने का environment पर भी असर पड़ता है। Smartphones, global warming और climate change में भी role play करते हैं। इनमें इस्तेमाल होने वाले gold, cobalt, lithium और बाकी heavy metals की mining में बहुत energy लगती है और pollution होता है।	InfoMineo 7th February 2022	https://infomineo.com/technology-telecommunication/how-smartphones-are-contributing-to-climate-change/
64	Rare earth minerals की mining से लेकर phones के production और इस्तेमाल तक, हर चीज में carbon emission होता है।	CNET 1st December 2024	https://www.cnet.com/tech/mobile/yearly-phone-launches-need-to-stop-for-more-ways-than-one/
65	2020 में smartphones के कारण 58 करोड़ टन CO2 Emission हुआ। नए-नए smartphone की launching से बड़ी मात्रा में e-waste भी पैदा होता है। 2019 में यह आंकड़ा 5 करोड़ टन था, जो global e-waste का 10 percent था। कंपनियां बैटरी और screen जैसे parts ऐसे बनाती हैं, कि इन्हें बदलने में बहुत पैसे लगते हैं, जिसके कारण लोग फोन को ठीक कराने की जगह नया फोन खरीद लेते हैं।	InfoMineo 7th February 2022	https://infomineo.com/technology-telecommunication/how-smartphones-are-contributing-to-climate-change/

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
66	Mokobara cabin suitcase 4,119 रुपये में मिल रहा है, वो उसके iOS app पर 4,799 रुपये में मिल रहा है।	Business Standard 23rd January 2025	https://www.business-standard.com/industry/news/ccpa-ola-uber-flipkart-differential-pricing-android-ios-users-prahlad-joshi-125012300757_1.html
67	जनवरी, 2025 में Zepto के Android app पर एक किलो प्याज 43 रुपये में मिल रही थीं, वहीं iPhone पर इसका rate 57 रुपये किलो था। कई और सब्जियों और फलों पर भी ये अंतर था। 4 शिमला सेब iphone users को 123 रुपये में, वहीं android users को केवल 100 रुपये में मिल रहे थे।	The Hindu 28th January 2025	https://www.thehindu.com/sci-tech/technology/zepto-charges-iphone-users-more-for-fruits-and-vegetables-compared-to-android-users/article69145795.ece
68	500 ग्राम अंगूर iphone पर 146 रुपये मिल रहे थे, लेकिन android पर इनकी कीमत 65 रुपये थी। इसी तरह शिमला मिर्च android पर 37 रुपये और iphone पर 69 रुपये में मिल रही थी।	Financial Express 15th January 2025	https://www.financialexpress.com/trending/netizens-react-after-bengaluru-woman-discovers-price-difference-for-android-ios-users-on-zepto-watch-video/3715391/
69	कई apps की subscription fee भी android और iphone users के लिए अलग-अलग होती है। iPhones पर YouTube Premium का subscription 195 रुपये में मिलता है, लेकिन Android पर 149 रुपये में मिल जाता है। मेटा के verification का भी यही हाल है। Android users को पहले महीने का subscription 579 रुपये में मिलता है, वहीं iPhone पर ये 639 रुपये में मिलता है। X का Premium+ subscription, iPhones पर monthly 2,299 रुपये का पड़ता है, वहीं android phones पर 2,150 रुपये ही देने पड़ते हैं।	Indian Express 14th November 2024	https://indianexpress.com/article/technology/techook/app-subscriptions-prices-iphone-android-compared-9667686/

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
70	जब ये कंपनियां इस तरीके से लोगों को बेवकूफ बना रही हैं और rules भी तोड़ती हैं तो फिर इनके खिलाफ कोई action क्यों नहीं होता? इसका एक कारण है, political donations। ये कंपनियां political parties को donation देती हैं, जिसके बदले में political parties इन्हें अपनी मर्जी करने देती हैं।	Rediff 29th March 2024	https://www.rediff.com/news/interview/jagdeep-chhokar-theres-concrete-proof-of-corporate-political-nexus/20240327.htm
71	Companies पर कोई action न होने का एक कारण ये भी है कि India में कई चीजों को, खासकर ads को लेकर rules बहुत कमजोर हैं या इन्हें अच्छे से लागू नहीं किया जाता। दिल्ली हाई कोर्ट का यह फैसला देखिए जिसमें उसने कहा था कि ads में चीजें बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा सकती हैं, जब तक कि कोई धोखा नहीं दिया जा रहा हो और consumer को नुकसान न हो। इसे पूरी तरह से नहीं रोका जा सकता। कोर्ट ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि यह opinion की तरह होते हैं और इन्हें fact नहीं माना जाता। target audience भी इन्हें सच नहीं मानते और कोई भी आम आदमी इन्हें seriously नहीं लेता।	Indian Kanoon 18th January 2024	https://indiankanoon.org/doc/68822303/